बरेली, मंगलवार
31 अक्टूबर, 2023
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 24

दैनिक जागरण inext

PAGE NO, 06, MIDDLE

नफरत की जंग में हुई मुहब्बत की जीत

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (30 Oct): श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में चल रहे तीसरे थिएटर फेस्टिवल 'इंद्रधनुष' के छठवें दिन देहरादून के एकलव्य थियेटर की ओर से नाटक 'यहूदी की लड़की' का मंचन हुआ. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में खानकाहे नियाजिया के प्रबंधक शब्बू मियां उपस्थित रहे. श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति, सुभाष मेहरा और डॉ. अनुज कुमार के साथ उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर नाटक का शुभारंभ किया.

● थिएटर फेस्ट में कलाकारों ने किया भावपूर्ण मंचन.

मांगती है इंसाफ

आगा हश्र कश्मीरी कृत एवं अखिलेश नारायण द्वारा निर्देशित नाटक 'यहूदी की लड़की' भारतीय रंगमंच में पारसी शैली का सुविख्यात नाटक है. जब-जब पारसी थिएटर का जिक्र होता है, तब आगा हश्र जी का नाम स्वत: ही सम्मान के साथ लिया जाता है. 'यहूदी की लड़की' नाटक में यहूदियों पर होने वाले रोमनों के अत्याचार को उभारकर धर्मांधतावाद, सत्ता के अहंकार तथा मानवीय भावना की विजय का मंचन किया गया है. नाटक की कथावस्तु एक यहूदी लड़की राहिल की है, जो अपने प्रेमी मारकस से प्रेम करती है. रोमन शहजादा होने के नाते मारकस उसे धोखा दे रहा है, क्योंकि रोमन और यहूदी दोनों ही एक-दूसरे से नफरत करते हैं. वह राहिल को चाहता तो है, लेकिन उसके लिए अपना धर्म बदलने से लाचार है. मारकस राहिल को छोड़कर रोमन शहजादी डैसिया से शादी करने को तैयार हो जाता है. शादी के मौके पर पहुंच कर राहिल शादी को रुकवाती है और बादशाह से इंसाफ मांगती है. बादशाह शहजादे को कटघरे में खड़ा कर इंसाफ को अहमियत देता है. इस अवसर पर ट्रस्टी आशा मूर्ति, उषा गुप्ता, डॉ. रजनी अग्रवाल, डॉ. आरती गुप्ता और डॉ. रीता शर्मा रहीं.